

मानव अधिकार दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय कार्यशाला

जयपुर, 7 दिसम्बर, 2016।

कन्ज्यूमर यूनिटी एण्ड ट्रस्ट सोसायटी (कट्स) एवं स्वीडिश सोसायटी ऑफ नेचर कन्जरवेशन के संयुक्त तत्वाधान में 'मानव अधिकार दृष्टिकोण' पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय कार्यशाला में देश भर की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला में सभी ने आम सहमति व्यक्त की कि सभी तरह के विकासात्मक कार्यों में मानवाधिकार आधारित दृष्टिकोण एक सकारात्मक परिवर्तन लाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

इस पद्धति का उद्देश्य न सिर्फ लोगों में अन्तराष्ट्रीय संधियां और भारतीय संविधान में उल्लेखित मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता लाना है, बल्कि हितधारकों और कर्तव्य पदाधिकारियों को पहचान कर, उन्हें उनके दायित्वों के प्रति सतर्क करना भी है।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ सुश्री अलबिटिना, जो कि गोवा की जानीमानी वकील एवं प्रख्यात मानवाधिकार कार्यकर्ता है, ने अपने अनुभवों से प्रतिनिधियों को अवगत कराया। उन्होंने दो दिवसीय कार्यशाला में स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को बताया कि सामाजिक एवं विकास के कार्यों में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी बिना किसी भेदभाव के रखी जानी चाहिए। सभी कार्यों में मानवीय दृष्टिकोण रखा जाना चाहिए। इससे विकास के कार्यों में पारदर्शिता बढ़ती है, साथ ही सभी वर्गों को इसका लाभ समान रूप से मिलता है।

कार्यशाला के प्रथम दिन 'कट्स' के निदेशक जॉर्ज चेरियन ने बताया कि आज अन्तराष्ट्रीय स्तर पर विकास के कार्यों में मानव अधिकार आधारित दृष्टिकोण को प्रमुखता से देखा जा रहा है। और यह दृष्टिकोण मानवाधिकार की सुरक्षा के लिए एक वैचारिक ढांचा देता है।

कार्यशाला के समापन पर स्वीडिश सोसायटी फॉर नेचर कन्जरवेशन की प्रतिनिधि सारा नेलसन ने अपने सम्बोधन में कहा कि मानव अधिकार आधारित दृष्टिकोण में छह बातें प्रमुख मानी गई हैं। ये हैं— भागीदारी, जवाबदेही, गैर भेदभाव, सशक्तिकरण और पारदर्शिता। इससे विकास के कार्यों में बढ़ोतरी होती है।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:

धर्मेन्द्र चतुर्वेदी

परियोजना अधिकारी

मो.: 94142 02868, ईमेल: dc@cuts.org